

उत्तर प्रदेश राज्य विधुत पारेष्टद  
शोक्त भवन, 14-अशोक मार्ग,  
लखनऊ

२०६०-रा०वि०/अ०स-१७/९६-९८०/९२

दिनांक: जुलाई 20, 1996.

कार्यालय-ज्ञाप  
=====

पारेष्टद के ब्रूटेपूर्ण आधेष्टापन के सम्बन्ध में आने से बाहरी व्यक्तियों की एवं साधारण दुर्घटना से हुई अपंगता पर अनुग्रह धनराशि अनुमन्य के साथ जाने गन्धी पारेष्टदाज्ञा संख्या १८९०-इ. ए./रा०वि०/अ०स-१८/९२-८विवेद/९२ दिनांक ९. १९९२ के प्रस्तर १५ में निम्नवत् संशोधन तत्काल प्रभाव से किया जाता है:-

१) केवल घातक दुर्घटना के फलस्वरूप वर्तमान देय अनुग्रह धनराशि रु० १०,०००/-

२) रूपया दस हजार ५ के स्थान पर रु० २०,०००/- रूपया बीस हजार ५

अनुमन्य होंगे किन्तु अन्तर्रेम सहायता की धनराशि पूर्ववत् रु० १०००/-

३) रूपया एक हजार ५ रहेगी तथा मृतक बाहरी व्यक्ति के विधिक उत्तराधिकारी को अन्तिम भूगतान करते समय निर्धारित अनुग्रह धनराशि

रु० २०,०००/- रूपया बीस हजार ५ में से इसे समायोजित कर लेया

जायेगा।

४) बाहरी व्यक्तियों की साधारण दुर्घटना से हुई अपंगता की स्थिति में

वर्तमान देय अनुग्रह धनराशि रूपया १०,०००/- रूपया दस हजार ५ के स्थान

पर रूपया २०,०००/- रूपया बीस हजार ५ होगी तथा रु० २०,०००/-

की धनराशि को आधार मानकर उपरोक्त संदर्भित पारेष्टदाज्ञा दिनांक

२६.९.१९९२ के संलग्नक में वर्णित अर्जनक्षमता में हुए प्रांतेशत ह्रास के

अनुसार गणना करके अनुपातिक अनुग्रह धनराशि का भूगतान देय होगा

किन्तु किसी भी दशा में यह धनराशि निर्धारित अनुग्रह धनराशि

रु० २०,०००/- रूपया बीस हजार ५ से अधिक न होगी।

उपरोक्त संदर्भित पारेष्टदाज्ञा संख्या १८९० दिनांक २६.९.१९९२ में निर्दिष्ट विवेदान वथावत रहेंगे। तथा इन आदेशों के निर्गमन की तोत्रे से पूर्व घोटा गया है। प्रकरण का निपत्तारण पारेष्टदाज्ञा दिनांक २६.९.१९९२ के अनुसार ही जायेगा।

२०६०-१५-रा०वि०/१५४८०-१७/९६, तदोदेनांक:

अधिक्ष

प्रांतीलोगे निम्नलोगों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रोष्ठित :-

ग्रामस्त सुछय ग्रामेयन्ता ग्रामेय क्षेत्रीय ग्रामेयन्ता, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त मैदाप्रबन्धक, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त अधीक्षण अधीक्षन ता, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त अधीक्षन अधीक्षन ता, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त लेखा एवं सम्प्रेक्षा, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त वारेष्ट वारेष्ट कार्यालय, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त कार्यालय अधिकारी, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

ग्रामस्त ग्रामस्त अधिकारी/अनभीग/प्रोवेर।

ग्रामस्त कार्यालय, कार्यालय सांति, उ०प०राज्य विधुत पारेष्टद।

आज्ञा से,  
